केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान में चलाया गया स्वच्छता अभियान

भारत सरकार के स्वच्छता ही सेवा–स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत आज 02 अक्तूबर को प्रातः काल भारतीय कृशि अनुसंधान परिशद, नई दिल्ली से आए डा. एम जानकी रमन, सहायक उप महानिदे"ाक, डा. एम भास्कर, सहायक उप महानिदे"ाक तथा संस्थान के कार्यवाहक निदे"ाक डा. राजेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में सैंकड़ों की संख्या में अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा पाल नगर में तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में सफलतापूर्वक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके बाद पोलिथीन, कूड़ा कर्कट गंदगी को सभी ने एकत्र किया गया तथा फिर ट्राली में भरकर इसे एक गड्ढे में डाल दिया। यह अभियान लगभग 2 घंटे तक चलाया गया। इससे पहले निदे"ाक महोदय ने अपने संबोधन में साफ–सफाई के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि स्वच्छ भारत राश्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी का सपना है। गंदगी में मक्खी–मच्छर तथा रोगाणु पैदा होते हैं तथा इससे हैजा, दस्त, चिकनगुनिया, मलेरिया, डेंगू, वायरल इत्यादि जानलेवा बीमारियाँ पैदा होती है। कई बार इन बीमारियों से मरीज की जान को खतरा उत्पन्न हो जाता है। दवाईयों पर पैसा अलग से खर्च करना पड़ता है। अतः इन बीमारियों से बचने का एकमात्र ईलाज इनके पैदा होने के कारण को ही समाप्त कर देना है। न गंदगी होगी न बीमारी उत्पन्न होगी। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे न केवल कार्यालय में अपितु अपने घर, किचन गार्डन, गली, भाहर में भी स्वच्छता का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि भविश्य में सभी समय–समय पर ये अभियान चलाया जायेगा।

यह अभियान 15 सितम्बर को प्रारंभ हुआ था, तथा विभिन्न 13 चरणों में अलग–अलग स्थानों पर यह अभियान सारे संस्थान में चलाया गया। उस दिन संस्थान के मुख्य द्वार के सामने से ड्रेन एरिया तक सफाई की गई। 17 सितम्बर को मुख्य द्वारा से बहुउद्दे"ाीय अनुसंधान से गेट न.–2 तक सफाई की गई। 19 सितम्बर को सुरक्षा विभाग द्वारा होस्टल सड़क से गेट न. 3 तक साफ–सफाई की गई। 20 सितम्बर को होस्टल एवं चिकित्सालय के आस–पास के क्षेत्र की सफाई की गई। 21 सितम्बर को फार्म प्रभाग द्वारा फार्म सेक"ान से नलकूप न. 3 तक साफ–सफाई की गई। 22 सितम्बर को मृदा एवं फसल प्रबंध प्रभाग द्वारा गेट न. 2 से मछली वाले तालाब तक साफ–सफाई की गई। 23 सितम्बर को फसल सुधार प्रभाग द्वारा पार्ट

हाउस वाली सड़क की सफाई की गई। 24 सितम्बर को सिंचाई एवं जल निकास अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कैम्पस में साफ–सफाई की गई। 25 सितम्बर को प्र"ाासनिक ब्लाक द्वारा कैन्टीन के क्षेत्र में साफ–सफाई की गई। 26 सिम्बर को तकनीकी एवं मूल्यांकन एवं प्रसार प्रभाग द्वारा ऑफिस से निदे"ाक आवास तक साफ–सफाई की गई। 27 सितम्बर को लाईब्रेरी/पीएसएस युनिट द्वारा रिहायसी कैम्पस की मुख्य सड़कों की सफाई की गई। 29 सितम्बर को वर्क"ाप/इस्टेट सेक"ान द्वारा टाइप–सी से टाइप एफ तक क्वर्ाटरों की सफाई की गई। 1 अक्तूबर को पी.सी. सेल/पीएम ई सेल द्वारा लैब ब्लॉक व ऑफिस ब्लॉक की छत की सफाई की गई